

## मिडिल कमांड मैनेजमेंट कोर्स क्रम संख्या -73

1-14 फरवरी, 2023

आंतरिक सुरक्षा अकादमी ने मिडिल कमांड मैनेजमेंट कोर्स क्रम संख्या - 72 का आयोजन किया। देशभर से इस कोर्स में केरिपुबल के कुल 58 द्वितीय कमान अधिकारियों ने भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सीआरपीएफ के सेकंड-इन-कमांड को एक यूनिट की कमान संभालने और रेंज/सेक्टर और अन्य संरचनाओं में स्टाफ ड्यूटी करने के लिए तैयार करना था।

श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, केरिपुबल ने पाठ्यक्रम के उद्घाटन और समापन की शोभा बढ़ाई। प्रतिभागियों को अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने हमारे बल की बहुमुखी प्रकृति और कमांडेंट के रूप में उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने समापन भाषण में पाठ्यक्रम पूरा करने पर बधाई दी। उन्होंने नेतृत्व के गुणों के बारे में भी बताया।



श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, द्वारा उद्घाटन भाषण ।

आंसुअ के अधिकारियों के अलावा विभिन्न प्रख्यात वक्ता जैसे श्री रमेश शर्मा, इमोशनल इंटेलिजेंस एंड पर्सनल मैनेजमेंट एक्सपर्ट ट्रेनर, डॉ जागृति उपाध्याय, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, श्री एम एल कुमावत, पूर्व महानिदेशक, बीएसएफ, लेफ्टिनेंट कर्नल पवन शर्मा, कमांडेंट (इंजीनियर), श्री जी पी उनियाल, कमांडेंट, 100 आरएएफ, श्री एम दिनाकरन, उपमहानिरीक्षक, समूह केंद्र, आवडी, श्री विक्रान्त सिंह तोमर, निदेशक, अल्टीमेट मैनेजमेंट सॉल्यूशंस, श्री राजेश कुमार, उपमहानिरीक्षक, समूह केंद्र, श्रीनगर, श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, श्री एन रणबीर सिंह, कमांडेंट, 84 बटालियन, श्री बी सी पात्रा, कमांडेंट, एनएसजी ने से व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों के ज्ञान को समृद्ध किया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



आईएसए संकाय अधिकारियों के साथ प्रतिभागी अधिकारियों की समूह छायाचित्र ।



श्री सुधांशु सिंह, उपमहानिरीक्षक, प्रशिक्षण, आईएसए, 'छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में वामपंथी उग्रवाद राज्य में उभरते रुझान' पर सत्र लेते हुए ।



श्री मनीष कुमार, उप कमा, आईएसए, 'आयकर दिशानिर्देशों और प्रक्रियाओं' पर सत्र लेते हुए ।



श्री रमेश शर्मा, 'टाइम एंड चेंज मैनेजमेंट' पर सत्र लेते हुए ।



डॉ जागृति उपाध्याय, सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय, 'प्रभावी संचार' पर सत्र लेते हुए ।



श्री एम एल कुमावत, पूर्व डीजी, बीएसएफ, वर्दी सेवाओं, भागीदारी, विकास में नेतृत्व की चुनौतियों पर सत्र लेते हुए ।



लेफ्टिनेंट कर्नल पवन शर्मा, कमांडेंट, (इंजीनियर), 'मेजर वक्सर्स, माइनर वक्सर्स, पेटीएम वक्सर्स, पीपीपी और एआरएमओ' पर सत्र लेते हुए ।



श्री जी पी उनियाल, कमांडेंट, 100 आरएफ, 'आंदोलनों के प्रबंधन, सांप्रदायिक हिंसा और आरएफ की भूमिका' पर सत्र लेते हुए ।



श्री एम दिनाकरण, उपमहानिरीक्षक, समूह केंद्र, आवडी, 'ड्राफ्टिंग ए प्रेस रिलीज/नोट, रीच ऑफ मास एंड प्रिंट मीडिया' पर सत्र लेते हुए ।



श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, 'हनी ट्रैप/सोशल मीडिया के उपयोग के लिए दिशानिर्देश' पर सत्र लेते हुए ।



श्री विक्रान्त सिंह तोमर, निदेशक, यू एम एस, भारत, 'प्रेरक तकनीक' पर सत्र लेते हुए।



श्री राजेश कुमार, उपमहानिरीक्षक, समूह केंद्र, श्रीनगर, 'जीईएम और इसकी कार्यप्रणाली' पर सत्र लेते हुए ।



श्री एन रणबीर सिंह, कमांडेंट, 84 बटालियन, 'विद्रोह/आतंकवाद/उग्रवाद-पूर्वोत्तर पर समकालीन दृष्टिकोण' पर सत्र लेते हुए ।



श्री बी सी पात्रा, कमांडेंट, एनएसजी, 'खुफिया: मुद्दे और चुनौतियां' पर सत्र लेते हुए ।



श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आईएसए द्वारा समापन समारोह ।